सोमवार

28 अक्टूबर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 258
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

करोड़ों की ठगी मामले के दो सगे भाई दिल्ली से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। करोड़ो की ठगी मामले के दो सगे ईनामी भाईयों को एसटीएफ ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। इन सगे भाईयों पर 25-30 करोड़ की ठगी मामले में 25 हजार व 10 हजार का ईनाम घोषित था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह ने बताया कि स्पेशल टास्क फोर्स उत्तराखण्ड द्वारा ईनामी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु की गई कार्यवाही के फलस्वरूप बीती रात थाना पटेल नगर, दिल्ली क्षेत्र से जनपद पिथौरागढ़ के कोतवाली पिथौरागढ के धोखाधड़ी, गैंगस्टर व अन्य अन्य मामलो में फरार चल रहे दो सगे भाई जगदीश बोरा जिस पर 25 हजार का ईनाम घोषित था व उसके भाई कमलेश बोरा जिस पर 10 हजार का ईनाम घोषित था गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया कि आरोपी जगदीश बोरा व कमलेश बोरा द्वारा वर्ष 2019 से पिथौरागढ़ क्षेत्र के भोले-भाले व्यक्तियों को शेयर मार्केट, अलग-अलग स्कीमो में धनराशि इन्वेस्ट कर अत्यधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लगभग 40-50 व्यक्तियों से लगभग 25-30 करोड रूपये हडप लिये तथा उनके द्वारा पैसा वापस माँगने पर बताया जाता था कि उनका पैसा शेयर मार्केट में लगा है अभी बाजार बढ़ने पर मुनाफा होने पर पैसा वापस मिल जायेगा। तुम लोग अभी और अधिक धनराशि लगाओगे तो और मुनाफा हो जायेगा। कई व्यक्तियों को हल्द्वानी जनपद नैनीताल में सस्ते दाम में जमीन दिलाने के नाम पर एडवान्स में पैसा लेकर ठगी की जाती थी। उक्त दोनो भाईयों के साथ-साथ 17 व्यक्तियों का गैंग बना हुआ था, उक्त गैंग के विरूद्व जनपद पिथौरागढ में अलग-अलग थानों में दर्जनों मुकदमें पंजीकृत है, जो ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

मनोज रावत व आशा नौटियाल ने भरे पर्चे

विकास के लिए भाजपा को चुनेः सीएम धामी कांग्रेस का दावा, बद्रीनाथ की तर्ज पर हराएंगे

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की विसात बिछ चुकी है। कल प्रत्याशियों के नामों की घोषणा के बाद आज पहले कांग्रेस प्रत्याशी मनोज रावत ने और उसके बाद भाजपा प्रत्याशी आशा नौटियाल ने अपने-अपने नामांकन पत्र भर दिए हैं। कल नामांकन पत्र भरने का अंतिम दिन है।

भाजपा जो हमेशा प्रत्याशी के नाम तय करने और पहले नामांकन पत्र भर कर तैयारियों में आगे रहने की मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने की रणनीति अपनाती है केदारनाथ में ऐसा नहीं कर सकी। कल कांग्रेस द्वारा मनोज रावत के नाम की घोषणा के बाद भाजपा ने आशा नौटियाल के नाम की घोषणा की वही आज नामांकन भी मनोज रावत के बाद किया। खास बात यह है कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं में प्रत्याशी नाम तय होने से पहले जो आपसी खींचतान दिख रही थी आज नामांकन पत्र भरने का समय वह एकजुटता में बदलती देखी। कांग्रेस प्रत्याशी मनोज रावत के साथ-साथ प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा से लेकर नेता विपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व सीएम हरीश रावत और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदयाल सहित सभी बड़े कांग्रेसी नेताओं की मौजूदगी दिखाई दी तथा सभी ने एक स्वर में बद्रीनाथ की तर्ज पर बड़ी जीत दर्ज करने का दावा किया।

वहीं दूसरी ओर आशा नौटियाल के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट और सांसद अनिल बलूनी सहित तमाम नेता देखे गए। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के सामने एक-एक दर्जन टिकट के दावेदार थे लेकिन कांग्रेस के अंदर वैसी मारामारी नहीं थी जैसी भाजपा में थी। भाजपा के कई दावेदार टिकट न मिलने के बाद भी निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरने की खुली घोषणा कर रहे थे देखना होगा कि अब नामांकन के बाद इन उम्मीदवारों का आगे क्या रुख रहता है।

इस अवसर पर दोनों ही दलों द्वारा जनसभाएं भी की गई है। सीएम धामी ने इस अवसर पर कहा कि 2013 की आपदा के बाद जो विकास कार्य किए गए वहीं उनके चुनावी मुद्दे हैं। उन्होंने विकास कार्यों में निरंतरता बनाए रखने के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की वहीं कांग्रेस के पास महंगाई, भ्रष्टाचार और अतिक्रमण, भू कानून व लैंड जेहाद जैसे अनेक सांप्रदायिक मुद्दे हैं। देखना होगा कि अब केदारनाथ की जनता किस पर कितनी कृपा करती है किसकी नैया को पार लगाती है।

दून वैली मेल

संपादकीय

किस पर होगी केदार की कृपा?

केदार बाबा की कृपा किस पर बरसने वाली है इसका पता 23 नवंबर को मतगणना के बाद ही चलेगा लेकिन भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधे होने वाले इस मुकाबले में भाजपा ने आशा नौटियाल और कांग्रेस ने मनोज रावत को चुनावी मैदान में उतार कर यह तय कर दिया है कि मुकाबला अत्यंत ही कठिन और दिलचस्प होने वाला है। भले ही केदारनाथ विधानसभा सीट के उपचुनाव के नतीजे का सरकार पर कोई प्रभाव पड़ने वाला न सही और न कांग्रेस का कोई बाद नफा नुकसान होने वाला है लेकिन यह चुनावी नतीजे सूबे की राजनीति का भावी भविष्य जरूर तय करने वाले साबित होंगे। क्योंकि जीत की गारंटी की भाजपा वाली पार्टी इससे पहले हुए मंगलौर और बद्रीनाथ सीट के उपचुनाव हार चुकी है जो इस मायने में इतिहास है कि राज्य गठन के बाद सत्ताधारी दल कभी किसी उपचुनाव में नहीं हारा था। कांग्रेस जिसने सत्ता से बाहर होते हुए भी दोनों सीटों पर हुए उपचुनाव में जीत दर्ज कर जो इतिहास लिखा था वह इससे उत्साहित है और वह एक बार फिर केदारनाथ उपचुनाव में भी भाजपा को शिकस्त देने का पूरा मन बना चुकी है यही कारण है कि उसने अपने सबसे दमदार प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारा है यही नहीं कांग्रेस इस चुनाव के लिए जमीनी स्तर पर भी लंबे समय से तैयारी करने में जुटी हुई है। दरअसल लोकसभा की उस फैजाबाद सीट पर हार के बाद जो अयोध्या में आती है विपक्ष ने भाजपा के धार्मिक राजनीति के एजेडें के खिलाफ जो नरेशन तैयार किया उसे बद्रीनाथ उप चुनाव में कांग्रेस की जीत से और अधिक बल मिला है यही कारण है कि वह केदारनाथ में जीत के साथ अब इस अवधारणा को और पुख्ता करना चाहती है कि भाजपा की धार्मिक राजनीति के गुब्बारे की वह हवा निकाल चुकी है। उधर भाजपा जो राज्य में लगातार दो सरकार बना कर तथा लोकसभा की सभी पांच सीटों को दो बार जीत कर सफलता के जिस रथ पर सवार थी दो उप चुनाव हारने के बाद अब किसी भी कीमत पर केदारनाथ हार कर कांग्रेस को हावी नहीं होने देना चाहती है। भाजपा के लिए इस सीट पर भी हार मतलब यही होगा कि उसके लिए आने वाले चुनाव में चाहे वह निकाय तथा पंचायतों के ही चुनाव क्यों न हो उसके लिए आसान रहने वाले नहीं है। यही नहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो भाजपा के केंद्रीय स्टार प्रचारको में भी शामिल है तथा जिन्हें भाजपा ने चुनाव हारने के बाद भी सीएम की कुर्सी पर बैठाया था केदारनाथ का चुनाव उनकी भी प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है अगर मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट जिन्हें पार्टी अब सांसद बना चुकी है मिलकर केदारनाथ नहीं जिता सके तो उनके राजनीतिक हित भी इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकते हैं। केदारनाथ की जीत इन दोनों नेताओं के लिए क्या मायने रखती है तथा इसके क्या असर होंगे इससे वह अच्छी तरह से वाकिफ है। नामांकन पत्र भरने की अंतिम तारीख से मात्र एक दिन पूर्व प्रत्याशियों की घोषणा भी यही बताती है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही इस चुनाव को लेकर कितने संजीदा है। परिणाम भले ही किसी के पक्ष में रहे लेकिन इस सीट पर मुकाबला इतना कांटे का होने वाला है कि हार जीत का अंतर भी मंगलोर विधानसभा सीट के तरह अत्यंत कम रह सकता है। किसी के लिए भी जरा चूक हार जीत का परिणाम बदल सकते हैं। देखना होगा कि इस मिशन में सिकंदर कौन सिद्ध होता है।

महाराजा अग्रसेन के जीवन पर आधारित लघु नाटिका का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जीएमएस रोड स्थित एक होटल में भारतीय वैश्य महासंघ, उत्तराखंड देहरादून की ओर से 'कुलदेवी मां लक्ष्मी की महाआरती एवं महाराजा अग्रसेन के जीवनवृत पर आधारित लघु नाटिका का श्रद्धापूर्वक सफल, सुव्यवस्थित एवं सुंदर आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वित्त एवं शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल,कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी एवं टिहरी की लोकसभा सांसद रानी राजलक्ष्मी शाह,भारतीय वैश्य महासंघ, उत्तराखंड देहरादून के प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल, प्रदेश संयोजक राजेंद्र गोयल, महानगर अध्यक्ष विनोद गोयल, महानगर महिला अध्यक्ष रीता अग्रवाल तथा जीएमएस मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता ने संयुक्त रूप से कुलदेवी मां लक्ष्मीजी की मूर्ति के सम्मुख दीप प्रजलन करके किया।

उत्तराखंड के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि वैश्य समाज के लोग जितनी मेहनत एवं ईमानदारी से व्यापार करके देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देते हैं उतने ही मन एवं धन से सामाजिक कार्यों में भाग लेते हैं।

उत्तराखंड के जाने-माने कलाकार एवं गायक पवन गोदियाल की टीम ने महालक्ष्मी के आठो अवतारों, नवदुर्गा एवं महाराजा अग्रसेन की बहुत ही सुंदर झांकियां प्रस्तुत की।

वित्त एवं शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज का समाज सेवा में अग्रणी स्थान रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया कि इस बार की महा आरती में 500 से अधिक वैश्य परिवारों ने एक साथ सुसज्जित थालों के साथ महालक्ष्मी जी की महाआरती में भाग लिया। असत्य, अत्याचार तथा अंधकार को दूर करने के लिए ज्ञान एवं प्रकाश रूपी हजारों दीपक जलाकर प्रकाशोत्सव मनाया गया तथा कुलदेवी मां महालक्ष्मी ने प्रसाद स्वरूप अपने भक्तों को प्रसाद रूपी खजाना वितरित किया। प्रदेश संयोजक राजेंद्र गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में महाराजा अग्रसेन ने अग्रवंशियों को अपने-अपने परिवारों में धन-धान्य एवं वैभव प्राप्त होने का आशीर्वाद दिया।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष विनोद गोयल,महानगर महिला अध्यक्ष, श्रीमती रीता अग्रवाल, राजीव गर्ग, मनीष तायल, संजय बंसल,आनंद स्वरूप गुप्ता, अतुल गुप्ता, मंजुल गुप्ता, राकेश मित्तल,गौरव गुप्ता,शीशपाल,पंकज गुप्ता, हितेश अग्रवाल, पराग अग्रवाल, संदीप सिंघल,अनु गोयल, वर्षा गोयल, मीनाक्षी अग्रवाल,अनिल गोयल,हितेश अग्रवाल,वंदना गोयल,पंकज गुप्ता, पंकज जैन,श्याम सुंदर अग्रवाल, आकाश गर्ग,सौरभ अग्रवाल, महेश गर्ग,राजीव गर्ग,मनीष तायल,विनोद तायल,संजय बंसल,जय भगवान गोयल,अतुल गुप्ता,अनुराग गर्ग,राजीव अग्रवाल,संजीव गुप्ता, सोहनलाल गर्ग,विनोद सिंघल, अमित गुप्ता,आनंद गुप्ता,अनिल गर्ग,हरीश गुप्ता,अभिलाष गुप्ता, अमित कंसल संदीप सिंघलप्रदेश उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद, कोषाध्यक्ष श्री अजय गर्ग, जी एम एस मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता,महासचिव शिखर कुचचल, मीडिया प्रभारी संजय गर्ग, अनुराधा गर्ग, डा समीक्षा गर्ग,पंकज कंसल,वंदना अग्रवाल,एस के मित्तल,मनोज गोयल, चारु गोयल, संगीता मित्तल गुप्ता आदि पदाधिकारी तथा सदस्य गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल सुंदर एवं सुव्यवस्थित संचालन महानगर अध्यक्ष विनोद गोयल एवं मीडिया प्रभारी संजय गर्ग ने संयुक्त रूप से किया'।

आचार्य बिपिन जोशी का मनाया 52वां जन्म दिवस

संवाददाता

देहरादून। ब्लूमिंग बर्ड स्कूल के बच्चों ने आचार्य डा. बिपिन जोशी का 52वां जन्म दिवस मनाते हुए शुभकामनाएं दी।

आज यहां ब्लूमिंग बर्ड स्कूल गढ़ी कैंट में आचार्य डा. बिपिन जोशी के 52 वे जन्म दिवस पर आयोजित सेवा कार्यक्रमों के क्रम में बच्चों और शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष सम्मान किया गया साथ ही 52 दीपक जलाकर आचार्य डा. बिपिन जोशी को बच्चों और स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाओं ने पुष्प गुच्छ देकर बधाई और शुभकामनाएं दी। आचार्य जोशी ने बच्चों को माटी के दीपक, दीपावली की सामग्री, मिष्ठान आदि भेंट करते हुए अधिक से अधिक संख्या में कुम्हार भाइयों द्वारा निर्मित दीपक और अन्य मिट्टी के बर्तन खरीदने का आहवान किया और साथ ही अधिक से अधिक उत्पाद स्थानीय शिल्पकारों, हलवाईयों, उद्यमियों आदि से खरीदने का भी आहवान किया। शिक्षक शिक्षिकाओं को दीपावली पूजन की फोटो और अंगवस्त्र भेंट किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य वसंत उपाध्यक्ष, विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं सहित काफी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

संगठन पर्व-2024 की प्रदेश कार्यशाला को मुख्यमंत्री धामी ने संबोधित किया

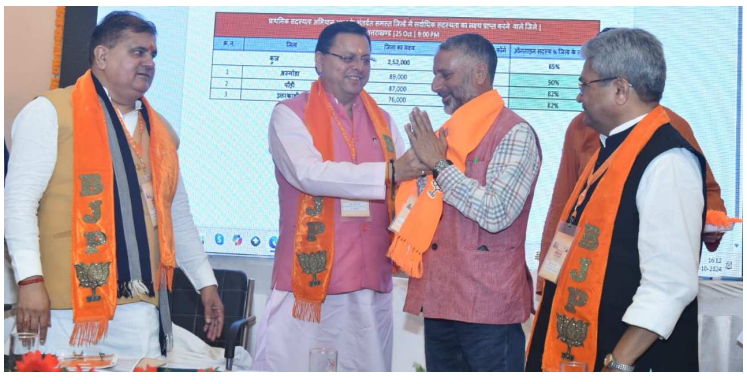

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देहरादून में संगठन पर्व-2024 की प्रदेश कार्यशाला को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौत, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजय कुमार ने संबोधित किया।इस अवसर पर उत्तरकाशी जनपद को प्राथमिक सदस्यता अभियान में प्रदेश में लगातार सर्वश्रेष्ठ तीन जनपदों में रहने पर जिला सदस्यता अभियान के संयोजक लोकेंद्र बिष्ट को मुख्यमंत्री के द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यशाला में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, टिहरी सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह, प्रदेश चुनाव अधिकारी खजान दास, जिलों के चुनाव अधिकारी एवं सह चुनाव अधिकारी, जिलाध्यक्ष, महामंत्री सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

सीपीएम का 17 वां जिला सम्मेलन सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के दो दिवसीय सत्रवां जिला सम्मेलन सम्पन्न होने पर शिवप्रसाद देवली जिला सचिव चुने गये।

आज यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के दो दिवसीय सत्रवां जिला सम्मेलन यहाँ कालूमल धर्मशाला में आज सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में 22 सदस्यीय जिला कमेटी चुनी गई जिसमें शिवप्रसाद देवली, राजेन्द्र पुरोहित, अनन्त आकाश, लेखराज, माला गुरूंग, कमरूद्दीन, भगवन्त पयाल, कृष्ण गुनियाल, पुरूषोत्तम बडोनी, शम्भूप्रसाद ममगांई, रंजन सोलंकी, नुरैशा अन्सारि, विनोद खण्डूरी, एन एस पंवार, भगवान सिंह चौहान, सुधा देवली, अमर बहादुर शाही, अर्जुन रावत, प्रदीप कुमार, रविन्द्र नौडियाल चुने गये। राज्य सम्मेलन के लिऐ 33 प्रतिनिधियों को चुना गया। सम्मेलन में साम्प्रदायिकता के खिलाफ, बिगड़ती कानून व्यवस्था, श्रम कानूनों के बदलाव के खिलाफ प्रस्ताव, महिलाओं की समस्या पर प्रस्ताव ,दलित समाज की समस्याओं पर प्रस्ताव ,किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रस्ताव, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के खिलाफ प्रस्ताव, सामाजिक न्याय और आरक्षण के सवाल पर प्रस्ताव, बेरोजगारी के खिलाफ प्रस्ताव, निजीकरण व मौद्रिकरण के खिलाफ प्रस्ताव विभिन्न साथियों ने विचार करते हुऐ समर्थन किया। सर्वसम्मति से सभी प्रस्ताव पारित किये गये। सम्मेलन में सचिव द्वारा प्रस्तुत सभी वक्ताओं ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये तथा सुझाव दिये। सम्मेलन में पार्टी राज्य सचिव राजेन्द्र नेगी, प्रवैक्षक कामरेड सुरेंद्र सजवाण, इन्दु नौडियाल, कमरूद्दीन तथा माला गुरूंग ने विचार व्यक्त किये। सम्मेलन में नये जिलासचिव कामरेड शिवप्रसाद देवली ने उम्मीद व्यक्त की कि सम्मेलन का फैसला तेजी से लागू। करेंगे।सम्मेलन का समापन अध्यक्ष मण्डल की ओर से कामरेड माला गुरूंग ने किया। सम्मेलन कि अध्यक्षता कामरेड कमरूद्दीन, माला गुरूंग, इन्दु नौडियाल, अनन्त आकाश, शिवप्रसाद देवली के पांच सदस्यीय अध्यक्षमण्डल ने की।

हर मौसम में दिखें सुंदर

मौसम के बदलने के साथ ही अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। मौसम में बदलाव के साथ ही हमें अपनी सौंदर्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मौसम के अनुरूप ढालना चाहिए, ताकि हमारी त्वचा तथा बालों को पर्याप्त देखभाल मिल सके। हम हर मौसम में सुंदर दिखना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए त्वचा की प्रकृति, मौसम के मिजाज व इसकी पोषक जरूरतों के प्रति निरंतर सजग रहना पड़ता है। वसंत ऋतु शुरू होते ही त्वचा रूखी हो जाती है। इस मौसम में त्वचा में नमी की कमी की वजह से रूखे लाल चकत्ते भी पड़ जाते हैं। चकत्ते होने पर तत्काल रासायनिक साबुन का प्रयोग बंद कर देना चाहिए। साबुन की बजाय सुबह-शाम क्लीनजर का उपयोग करना चाहिए। इसी तरह घरेलू आयुर्वेदिक उपचार के तौर पर त्वचा पर तिल के तेल की मालिश कर सकते हैं। वैकल्पिक तौर पर दूध में कुछ शहद की बूंदें डालकर इसे त्वचा पर लगाकर 10.15 मिनट तक लगा रहने दीजिए तथा बाद में इसे ताजे स्वच्छ जल से धो डालिए। यह उपचार सामान्य तथा शुष्क दोनों प्रकार की त्वचा के लिए उपयोगी है।

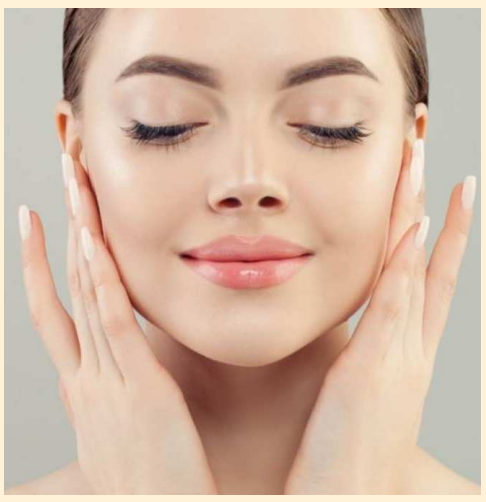

वहीं यदि त्वचा तैलीय है तो 50 मिलीलीटर गुलाब जल में एक चम्मच शुद्ध ग्लीसरीन मिलाइए। इस मिश्रण को बोतल में डालकर इसे पूरी तरह मिला कर इस मिश्रण को चेहरे पर लगा लीजिए। इससे त्वचा में पर्याप्त आर्द्रता बनी रहेगी तथा ताजगी का अहसास होगा। तैलीय त्वचा पर भी शहद का लेप कर सकते हैं। शहद प्रभावशाली प्राकृतिक आद्रता प्रदान करके त्वचा को मुलायम तथा कोमल बनाता है।

वसंत ऋतु के दौरान रोजाना 15 मिनट तक शहद का लेप चेहरे पर करके उसे स्वच्छ ताजे पानी से धो सकते हैं। इससे त्वचा पर पड़े विपरीत प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है। वसंत ऋतु में एलर्जी की समस्या बढ़ जाती है, जिससे त्वचा में खारिश, चकत्ते तथा लाल धब्बे हो जाते हैं। ऐसे में चंदन क्रीम को त्वचा का संरक्षण तथा रंगत रखने में काफी उपयोगी माना जाता है।

त्वचा के रोगों खासकर फोड़े, फुंसी लाल दाग तथा चकत्ते में तुलसी भी अत्याधिक उपयोगी है। त्वचा के घरेलू उपचार में नीम तथा पुदीना की पत्तियां भी काफी सहायक मानी जाती हैं।

वसंत ऋतु में घरेलू उपचार

त्वचा की खाज, खुजली तथा फुंसियों में चंदन पेस्ट का लेपन कीजिए। चंदन पेस्ट में थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर उसे प्रभावित त्वचा पर लगाकर आधा घंटा बाद ताजे पानी से धोयें।

चंदन के दो या तीन बूंद तेल को 50 मिलीलीटर गुलाब जल में मिलाइए तथा इसे प्रभावित स्थान पर लगाइए। त्वचा की खारिश में एपल सिडर विनेगर काफी मददगार साबित होता है। इससे गर्मी की जलन व बालों में रूसी की समस्या को निपटने में मदद मिलती है।

नींबू की पत्तियों को चार कप पानी में हल्की आंच पर एक घंटा उबालिए। इस मिश्रण को टाइट जार में रातभर रहने दीजिए। अगली सुबह मिश्रण से पानी निचोड़ कर पत्तियों का पेस्ट बना लीजिए और इस पेस्ट को प्रभावित त्वचा पर लगा लीजिए।

एक चम्मच मुलतानी मिट्टी को गुलाब जल में मिलाकर इस पेस्ट को प्रभावित स्थान पर लगाकर तकरीबन बीस मिनट बाद धो लीजिये। त्वचा की खारिश में बायोकाबोर्नेट सोडा भी अत्यधिक प्रभावशाली साबित होता है। बायोकाबोर्नेट सोडे तथा मुलतानी मिट्टी एवं गुलाब जल का मिश्रण बनाकर पैक बना लें। इसे खारिश, खुजली चकते तथा फोड़े-फुंसियों पर लगाकर 10 मिनट बाद ताजे जल से धो लीजिए। इससे त्वचा को काफी राहत मिलेगी।

एयर फ्रायर में बहुत आसानी से बनाए जा सकते हैं स्वादिष्ट व्यंजन!

एयर फ्रायर की मदद से डीप फ्राई व्यंजनों को कम तेल में बनाया जाता है, जिसके कारण ऐसे व्यंजनों का सेवन सेहत को नुकसान नहीं पहुंचता है। हालांकि, अगर आपने हाल ही में एयर फ्रायर खरीदा है और आपको समझ नहीं आ रहा है कि इसमें क्या-क्या बनाया जा सकता है तो आपकी इस उलझन को हम दूर किए देते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें एयर फ्रायर में बनाना आसान है।

फ्रेंच फ्राइज

सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें और इसकी टोकरी में नॉन-स्टिक स्प्रे छिड़कें। इसके बाद आवश्यकतानुसार आलू को पानी से धोकर छिलें, फिर सारे आलू को फ्रेंच फ्राइज की तरह काट लें। इसके बाद आलू को पेपर से थपथपा कर सुखाएं। अब एक बड़े कटोरे में सारे कटे आलू, एक चम्मच तेल और स्वादानुसार नमक को मिलाकर एयर फ्रायर की टोकरी में रखें और जब फ्रेंच फ्राइज क्रिस्पी दिखें तो एयर फ्रायर को बंद करके इसे परोसें।

गार्लिक ब्रेड

गार्लिक ब्रेड बनाने के लिए सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें। इसके बाद एक कटोरे में मक्खन, परमेसन चीज़, बारीक पीसी लहसुन की कुछ कलियां और बारीक कटा पार्सले और स्वादानुसार नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण को ब्रेड की स्लाइस पर समान रूप से फैलाएं और इन्हें एयर फ्रायर की टोकरी में रखकर इसे चालू कर दें। दो से तीन मिनट के अंदर गर्लिक ब्रेड बनकर तैयार हो जाएगीं, जिसे आप टोमैटो सॉस के साथ परोस सकते हैं।

आलू के चिप्स

इसके लिए भी सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें। इसके बाद आवश्यकतानुसार आलू को पानी से धोकर छिलें, फिर सब्जी के छिलके छिलने वाले चाकू का इस्तेमाल करके आलू पतला-पतला काट लें। अब सारी आलू की स्लाइस को एक बड़े बाउल में बर्फ के पानी में 15 मिनट के लिए भिगो दें, फिर सारी स्लाइस को छानकर सुखाएं, फिर इन पर कुकिंग ऑयल और नमक छिड़ककर पांच से आठ मिनट के लिए एयर फ्रायर में पकाएं।

स्टफ शकरकंद

सबसे पहले एयर फ्रायर को प्रीहीट करें और इसकी टोकरी में चार शकरकंद को रखकर ब्रश से जैतून का तेल लगाएं, फिर एयर फ्रायर को शकरकंद के गलने तक चलाएं। इसके बाद शकरकंद को लंबाई में काटकर इनका गूदा एक कोटरे में निकालें, फिर कटोरे में पालक, पनीर, प्याज को स्वादानुसार नमक और एक चुटकी काली मिर्च के साथ मैश करें। अब इस मिश्रण को शकरकंद के छिलके में डालकर एयर फ्रायर में 10 मिनट तक पकाने के बाद परोसें।

स्टाइल लुक के लिए पहनें पेपलम जैकेट

पेपलम जैकेट हर तरह के फैब्रिक में मौजूद है। आप इसे आसानी से जीन्स या ट्राउजर के साथ कैरी कर सकती हैं। आजकल डेनिम में भी ये जैकेट काफी पापुलर हो रहे हैं। ऐसे में आप इसे जीन्स, स्कर्ट आदि के साथ पहन सकती हैं। ज्यादातर गर्ल्स सर्दियों में स्कर्ट पहनना अवॉयड करती हैं, लेकिन अगर आप एक यूनिक लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो ऐसे में स्कर्ट के साथ भी इस जैकेट को पहन सकती हैं। स्कर्ट के साथ प्रिंटेड टाइट्स पहनें और बूट कैरी करें। एकदम स्मार्ट लुक नजर आएगा। आजकल बाजार में कई तरह के पेपलम जैकेट मौजूद हैं। आप इनके पसंदीदा रंगों का चयन आसानी से कर सकती हैं। पेपलम जैकेट्स में एम्ब्रॉयड्री का काम भी काफी खूबसूरत लगता है। पेपलम जैकेट को एक सेफ तरीके से स्टाइल करना चाहती हैं तो आप इसका मोनोक्रोमेटिक लुक क्रिएट करें। इसे आप ऑफिस से लेकर पार्टी तक में कैरी कर सकती हैं। इस दौरान जैकेट के साथ पैंट या स्कर्ट कुछ भी पहन सकती हैं।

बालों के लिए सबसे बेहतरीन है चुकंदर

आजकल बालों का झड़ना लोगों के लिए बहुत आम हो चुका है। यह समस्या महिला हो या पुरुष सभी में नजर आती है। जी हाँ और इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसमें खराब लाइफस्टाइल और वातावरण को होने वाला नुकसान भी शामिल हैं। हालाँकि आप इन सभी से राहत पाने के लिए चुक्कंदर का इस्तेमाल कर सकते हैं। आज हम आपको चुक्कंदर के रस से बालों के लिए होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हे जानकर आपको यकीन नहीं होगा।

ड्राईनेस- ठंड के मौसम में बालों में नमी की कमी हो जाती है और ऐसे में ड्राईनेस का आना आम होता है। ऐसे में इस समस्या से निजात पाने के लिए आप चुकंदर के रस को स्कैल्प में लगा सकते हैं। आप सभी को बता दें कि चुकंदर में मौजूद विटामिन ई और ए बालों की ड्राईनेस को दूर करने में कारगर होते हैं। इसके लिए चुकंदर को कद्दूकस करके इसका रस निकालें और स्कैल्प में इसे 30 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद नहाते समय इसे गुनगुने पानी से रिमूव करें।

डैंड्रफ- बालों में डैंड्रफ के कारण खुजली की समस्या भी होने लगती है और ऐसे में डैंड्रफ से निजात पाने के लिए भी स्कैल्प में चुंकदर का रस लगाना बेस्ट रहते हैं। जी दरअसल इसके लिए चुकंदर के रस को बालों में शैंपू करने से ठीक 15 मिनट पहले लगाएं और फिर नहा लें।

ब्लड सर्कुलेशन करें ठीक- चुकंदर के रस का सेवन करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, हालाँकि अगर स्कैल्प में इसे नियमित रूप से लगाया जाए, तो ऊपर से भी ब्लड सर्कुलेशन में सुधार लाता है। अगर आप चाहे तो गुनगुने पानी में चुकंदर के रस को मिलाकर इसकी सिर में मालिश करें।

हेयर फॉल- इस समस्या के लिए भी आप चुकंदर के रस की मदद ले सकते हैं। चुकंदर के रस को लगाने से बालों की जड़े मजबूत होती है। जी दरअसल इसमें पोटेशियम भी मौजूद होता है, जो बालों को पतला और कमजोर होने से बचाता है।

फूड स्टीमर को साफ करने के लिए अपनाएं यह आसान तरीका

फूड स्टीमर एक बेहतरीन किचन अप्लाइंस है, जिसकी मदद से व्यंजनों को भाप में पकाना आसान हो जाता है। हालांकि, जब बात फूड स्टीमर की सफाई की आती है तो कई लोग इसे साधारण बर्तनों की तरह साफ कर लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से फूड स्टीमर खराब हो सकता है। अगर आपके पास भी फूड स्टीमर है तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि फूड स्टीमर को कैसे साफ करना चाहिए।

अगर आपने फूड स्टीमर में सब्जियों या फिर किसी तरह के व्यंजन को बनाया है तो इन चीजों को सबसे पहले स्टीमर से निकालकर एक प्लेट में डालें। इसके बाद फूड स्टीमर के नीचे वाले हिस्से में मौजूद पानी को भी सिंक में फेंक दें। अगर आपका फूड स्टीमर इलेक्ट्रिक है तो उसकी सफाई करने से पहले उसे पावर सोर्स से अनप्लग करें और स्टीमर को पूरी तरह से ठंडा होने दें।

फूड स्टीमर की सफाई करने के लिए आप साबुन के गर्म पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले फूड स्टीमर की सभी बास्केट को निकालें और इसे साबुन के गर्म पानी की मदद से साफ करें। अगर फूड स्टीमर के किसी हिस्से पर काफी चिकनाहट जम गई है तो उसे साफ करने से पहले दस मिनट के लिए साबुन के गर्म पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद उसे स्पंज से हल्के हाथों से रगड़कर साफ करें। अगर फूड स्टीमर की छेद वाली बास्केट में खाना फंसा हुआ है तो उसे निकालने के लिए आप टूथपिक का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, फूड स्टीमर के बाहरी और बाकी हिस्सों को साफ करने के लिए आप माइक्रोफाइबर कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक माइक्रोफाइबर कपड़े पर थोड़ा डिशवॉश लिक्विड लगाएं, फिर इससे पूरे फूड स्टीमर को साफ करें। अंत में एक अलग माइक्रोफाइबर से फूड स्टीमर को पोंछे। फूड स्टीमर को चलते पानी के नीचे रखकर कभी साफ न करें क्योंकि इससे इसके हीटिंग एलिमेंट को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, जब आप फूड स्टीमर में कुछ भी पकाएं तो इसके तुरंत बाद इसे साफ कर दें क्योंकि अगर आप देर करेंगे तो इसमें स्टीम की गई सामग्री के बचे हुए अवशेष सूख जाएंगे, फिर फूड स्टीमर को साफ करने में दिक्कत आएगी। समय-समय पर फूड स्टीमर की बाहरी सफाई पर भी ध्यान दें।

हैंड ब्लेंडर को साफ करने के लिए अपनाएं ये आसान घरेलू तरीके

हैंड ब्लेंडर एक बेहतरीन किचन अप्लाइंस है, जिसकी मदद से खाद्य चीजों को कुछ सेकेंड में एकदम बारीक पीसा जा सकता है, लेकिन बेहद कम लोग इसे साफ करने के सही तरीके से वाकिफ हैं। कई लोग हैंड ब्लेंडर को साधारण बर्तनों की तरह साफ कर लेते हैं, लेकिन ऐसा करने से यह जल्द ही खराब हो सकता है। चलिए फिर आज हम आपको बताते हैं कि हैंड ब्लेंडर को कैसे साफ करना चाहिए।

हैंड ब्लेंडर की सफाई के लिए आप गुनगुने पानी और डिशवॉश लिक्विड का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक कप गुनगुने पानी में थोड़ा डिशवॉश लिक्विड अच्छे से मिलाएं, फिर इस मिश्रण में हैंड ब्लेंडर को सीधा डालकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। ध्यान रखें कि हैंड ब्लेंडर ब्लेड की तरफ से इस मिश्रण में होना चाहिए। इसके बाद ब्लेड की तरफ से हैंड ब्लेंडर को गुनगुने पानी से धोकर साफ कपड़े से पोंछ दें।

हैंड ब्लेंडर के अंदर जमी हुई गंदगी साफ करने के लिए बेकिंग सोडा का भी इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि इससे सफाई काफी आसान हो जाती है। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े गिलास में एक बड़ी चम्मच बेकिंग सोडा पाउडर और आधा कप गुनगुना पानी मिलाएं, फिर इसमें हैंड ब्लेंडर को सीधा रखकर 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब एक स्पंज से हैंड ब्लेंडर के ब्लेड को साफ करके इसे पानी से धो लें।

अगर कभी भी आपके हैंड ब्लेंडर में से अजीब सी महक आने लगती है और इसे दूर करने के लिए आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े गिलास में आधा कप गुनगुना पानी और एक बड़ी चम्मच सफेद सिरका मिलाएं, फिर इसमें ब्लेड की तरफ से हैंड ब्लेंडर को सीधा रखकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में हैंड ब्लेंडर को किसी साफ कपड़े से पोंछ दें।

इन बातों का रखें खास ध्यान

1) हैंड ब्लेंडर को हमेशा ब्लेड की तरफ से साफ करना चाहिए क्योंकि इसके ऊपरी हिस्से में इसका बटन और तार का जोड़ होता है, जहां पर पानी जाने से यह जल्दी खराब हो सकता है। 2) जब आप हैंड ब्लेंडर का इस्तेमाल करें तो इसके तुरंत बाद इसे साफ कर दें क्योंकि अगर आप देर करेंगे तो इससे पीसी गई सामग्री के बचे हुए अवशेष सूख जाएंगे और हैंड ब्लेंडर को साफ करने में दिक्कत आएगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अंधेरी कोठरी' का इकलौता रोशनदान थे जेपी

कृष्ण प्रताप सिंह

भारत के नये खड्ग', 'तरुण देश के सेनानी', 'दलित देश के त्राता', भारत के भाग्यविधाता', 'नयी आग', 'नयी ज्योति' और 'नये लक्ष्य के अभिमानी' = ये उन विशेषणों में से कुछ हैं जो राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने 1946 में जयप्रकाश नारायण (जिन्हें प्यार से जेपी कहा जाता है) को 'स्वप्नों का द्रष्टा' बताते हुए उनके लिए इस्तेमाल किये थे। पर जेपी के जन्म के 122 और निधन के 45 वर्ष बाद उनकी एक ऐसे लोकनायक की छवि ही बची है, जो बार-बार याद आती रहती है। अलबत्ता, 'संपूर्ण क्रांति' के अपने खंडित स्वप्न के साथ।

वर्ष 1974 में बिहार व गुजरात के छात्रों के आग्रह पर उनके आंदोलन की अगुवाई करते हुए जेपी ने 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया था और इस क्रांति के न हो पाने की कसक उन्हें उनके अंतिम दिनों तक सालती रहती थी। पर सच पूछिए तो आज यह उतनी कसकने वाली बात नहीं है, जितनी स्वयं को उनके आंदोलन की उपज और उनका अनुयायी कहने वाले नेताओं द्वारा उस क्रांति का नाम लेना तक बंद कर देना। इस बीच अपने स्वार्थों को लेकर तो ये नेता बार-बार एकजुट होते और बिखरते रहे हैं, परंतु उस 'भावी इतिहास' की उन्होंने तनिक भी फिक्र नहीं की है, संपूर्ण क्रांति के रास्ते जिसके सृजन का दायित्व उन्हें उठाना था।

हां, यह क्रांति न हो पाने की तोहमत एकतरफा तौर पर जेपी पर नहीं मढ़ी जा सकती। क्योंकि उसके आह्वान के थोड़े ही दिनों बाद उन्हें इमरजेंसी का कहर झेलने व देश का लोकतंत्र बचाने की मुश्किल लड़ाई लड़ने में मुब्तिला हो जाना पड़ा था। और बाद में खराब स्वास्थ्य ने उनके लिए कोई भी लड़ाई मुश्किल कर दी थी। इससे पहले उनकी अगुवाई वाले आंदोलन से आक्रांत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक नवंबर, 1974 को उन्हें वार्ता के लिए बुलाया तो किसी समाधान तक पहुंचने के बजाय यह कहकर अपमानित कर डाला था कि 'आप कुछ तो देश के बारे में सोचिए।'

अनंतर, इंदिरा गांधी ने 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा रायबरेली लोकसभा सीट से अपना चुनाव अवैध घोषित किये जाने के बाद देशवासियों के सारे मौलिक व नागरिक अधिकार छीन देश पर प्रेस सेंसरशिप व इमरजेंसी थोप दी, जेपी समेत सारे विपक्षी नेताओं को जेलों में ठूंसा और लोकतंत्र को निर्वासित कर दिया, तो उसकी वापसी की लड़ाई पहली प्राथमिकता हो गयी। उन दिनों के प्रख्यात जनपक्षधर शायर दुष्यंत कुमार के अनुसार, 'उस वक्त अंधेरी कोठरी में बदल गये देश में एकमात्र जेपी ही ऐसे रोशनदान थे, जिससे उजाले की उम्मीद थी।' जानकार आज भी यह सोचकर सिहर जाते हैं कि 1977 में इमरजेंसी के फूलने-फलने लग जाने के भ्रम में इंदिरा गांधी लोकसभा के आम चुनाव करा कर अपने सारे किये-धरे पर जनता की मुहर लगवाने के फेर में न पड़तीं और अचानक जेल से निकालकर चुनाव मैदान में पहुंचा दिये गये विपक्षी दलों के नेता लोकनायक की अगुवाई में जनता पार्टी के बैनर पर एकजुट नहीं होते, तो देश का क्या हुआ होता! तब चौधरी चरण सिंह जैसे जमीनी नेताओं का आकलन भी यही था कि सत्तापक्ष उन्हें जेल से निकालकर चुनाव के जाल में फंसा रहा है। वह तो भला हो मतदाताओं का कि उन्होंने ऐसे सारे आकलनों को झुठलाकर इंदिरा गांधी की बेदखली का जनादेश दे डाला।

इस तरह देश लोकतंत्र को पुनर्स्थापित करने में सफल हुआ, तो जेपी उसकी शुचिता को लेकर बेहद गंभीर थे। इतने कि पदच्युत इंदिरा गांधी को नये निजाम के हाथों अपने और अपने बेटे संजय गांधी के उत्पीड़न का अंदेशा हुआ तो उसे निर्मूल करने वे उनके घर भी गये। जेपी ने उन्हें आश्वस्त किया कि नयी सरकार उनके खिलाफ कोई भी बदले की कार्रवाई नहीं करेगी। पर इतिहास गवाह है कि बाद में जनता पार्टी के नेता जेपी के श्रीमती गांधी से भी ज्यादा अपमान पर उतर आये। चौधरी चरण सिंह हर हाल में इंदिरा गांधी का पासपोर्ट जब्त कर उन्हें गिरफ्तार करने और तिहाड़ जेल की उसी बैरक नंबर 14 में रखने पर अड़ गये, जिसमें इमरजेंसी में उन्हें रखा गया था। इसके बाद जेपी द्वारा इंदिरा को दिये आश्वासन का कोई अर्थ ही नहीं रह गया। गौरतलब है कि जेपी स्वयं भी इमरजेंसी के उन्नीस महीने जेल में रहे थे। फिर भी उनके मन में इंदिरा के प्रति कोई कटुता नहीं थी। पर जनता पार्टी की सत्ता में उसके ज्यादातर नेताओं को जेपी के प्रति नागवार रवैया अपनाते देर नहीं लगी।

प्रधानमंत्री बनने की होड़ में विफल होने के बाद उसमें जेपी की कथित भूमिका से नाराज बाबू जगजीवन राम का रवैया तो 'जेपी होते कौन हैं?' तक पहुंच गया था। बाद में पार्टी की सरकार के अंतर्विरोधों की शिकार होकर एक के बाद एक संकटों से जूझने लग जाने के बाद भी प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को जेपी से सलाह-मशवरा तक गवारा नहीं था। निस्संदेह, जेपी और संपूर्ण क्रांति के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन में इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखना पड़ेगा।

शब्द सामर्थ्य -111

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

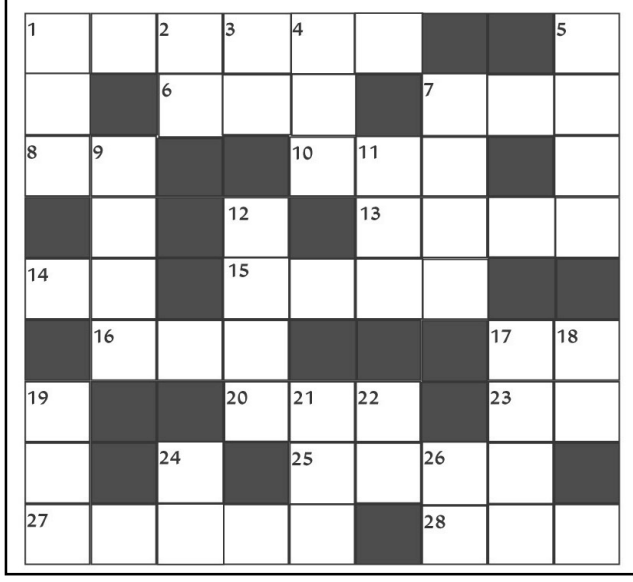

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 110 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सिंघम अगेन से पहले होगा बाजीराव का तांडव

अजय देवगन बाजीराव सिंघम बनकर पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। वो जल्द ही पूरी टीम के साथ सिंघम अगेन में नजर आएंगे। वही पुराना किरदार नए अंदाज में दिखेगा। फिल्म दिवाली पर रिलीज हो रही है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज से पहले ही बड़ा फैसला किया है। जल्द ही फिल्म के पहले पार्ट सिंघम को थिएटर्स में रिलीज कर रहे हैं। ऐसे में अगर आप सिंघम का टशन भूल गए हैं तो आप पहले पार्ट को देखकर पुरानी यादें ताजा कर सकते हैं। निर्देशक रोहित शेट्टी ने इसकी घोषणा की। रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर सिंघम का मोशन पोस्टर शेयर किया है, जिसमें अजय देवगन सिंघम के मशहूर पोज में नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसके साथ लिखा, दिवाली पर पूरी ताकत के साथ आने से पहले। अनुभव करें कि यह सब फिर से कैसे शुरू हुआ। फिर से भीड़ का अनुभव करें। फिर से उल्लास का अनुभव करें। सिंघम अगेन से पहले एक बार फिर सिंघम का अनुभव करें! निर्माताओं ने कहा, टसिंघम को सिनेमाघरों में वापस लाने का फैसला सिंघम अगेन की रिलीज से पहले बड़े पर्दे पर फिर से सामूहिक मनोरंजन करने वाले सिंघम का अनुभव करने के लिए उत्सुक प्रशंसकों की भारी मांग को देखते हुए लिया गया है।

यह फिल्म दशहरा के एक सप्ताह बाद 18 अक्टूबर को पूरे भारत में रिलीज होगी और इसकी तीसरी कड़ी सिंघम अगेन के स्क्रीन पर आने से दो सप्ताह पहले। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सिंघम 2011 में रिलीज हुई थी। सूर्या की इसी नाम की तमिल हिट की रीमेक सिंघम में अजय देवगन, प्रकाश राज और काजल अग्रवाल ने अभिनय किया था। यह बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ी सफलता थी, जिसने 40 करोड़ के बजट में 141 करोड़ की कमाई की थी। पुलिस यूनिवर्स को अब सिंघम आगेन में एवेंजर्स-स्टाइल क्रॉसओवर इवेंट मिलेगा। इस फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर और अर्जुन कपूर के साथ रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में हैं। फिल्म 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विश्वक सेन की एक्शन-थ्रिलर मैकेनिक रॉकी की रिलीज डेट हुई अनाउंस!

मैकेनिक रॉकी की रिलीज डेट सामने आ गई है। विश्वक सेन की नवीनतम एक्शन-थ्रिलर, मैकेनिक रॉकी के साथ एक उच्च-ऑक्टेन सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार हो जाइए, जो 31 अक्टूबर, 2024 को सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। रवि तेजा मुल्लापुडी द्वारा निर्देशित और एसआरटी एंटरटेनमेंट के तहत राम तल्लूरी द्वारा निर्मित यह फिल्म एक प्रमुख सिनेमाई घटना बनने के लिए तैयार है। मैकेनिक रॉकी में कई रोमांचक कलाकार हैं, जिसमें विश्वक सेन प्रतिभाशाली मीनाक्षी चौधरी के साथ स्क्रीन साझा कर रहे हैं, जो मुख्य महिला भूमिका निभा रही हैं। फिल्म के लिए पहले से ही उत्सुकता आसमान छू रही है, जिसे जेक्स बेजॉय द्वारा रचित आकर्षक संगीत ने और बढ़ा दिया है। जबकि वर्तमान में कोई अन्य सीधी तेलुगु फिल्म उसी दिन दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए निर्धारित नहीं है, मैकेनिक रॉकी का मुकाबला शिवकार्तिकेयन की अमरन के तेलुगु डब संस्करण से होगा। एशियन सुरेश एंटरटेनमेंट एलएलपी द्वारा योजनाबद्ध राष्ट्रव्यापी रिलीज के साथ, मैकेनिक रॉकी अपनी एक्शन से भरपूर कथा और आशाजनक प्रदर्शनों के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। अधिक अपडेट के लिए अपनी आँखें खुली रखें और एक धमाकेदार सिनेमाई अनुभव के लिए तैयार रहें!

शॉर्ट ड्रेस पहन इवेंट में पहुंची पलक तिवारी

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बेहद ही कम उम्र में इंडस्ट्री में अपनी अच्छी पहचान बना लही है। बता दें कि एक्ट्रेस ने सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अब हाल ही में एक्ट्रेस को एक इवेंट के दौरान पैपराजी ने स्पॉट किया। जहां उनका ग्लैमरस लुक देखकर लोगों की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

एक्ट्रेस पलक तिवारी हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के चलते सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी को पैपराजी ने एक इवेंट के दौरान स्पॉट किया। इस दौरान वो बेहद ही गॉर्जियस लुक में नजर आईं।

पलक तिवारी ने इवेंट के लिए ब्लू कलर के शॉर्ट आउटफिट को चुना। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही हॉट लग रही हैं।

खुले बाल, लाइट मेकअप, हाई हील्स और हॉथ में छोटा सा बैग कैरी कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पैपराजी को क्यूट सी स्माइल देते हुए एक से बढक़र एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका ये कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।

बता दें कि एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करने के लिए फैंस काफी बेताब रहते हैं।

बॉलीवुड में भी किसी अन्य इंडस्ट्री की तरह ही नेपोटिज्म है : राधिका मदान

राधिका मदान ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो से की थी। उन्होंने टीवी शो मेरी आशिकी तुम से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। टीवी के बाद राधिका ने बॉलीवुड में फिल्म पटाखा से कदम रखा था। अब उन्होंने नेपोटिज्म पर चुप्पी तोड़ी है। राधिका ने कहा कि फिल्म वर्ल्ड के लोगों के लिए आउटसाइडर्स की तुलना में काम मिलना आसान होता है। उन्होंने नेपोटिज्म को लेकर 6 साल बाद बात की है।

राधिका मदान ने कहा- बॉलीवुड में भी किसी अन्य इंडस्ट्री की तरह ही नेपोटिज्म है। उन्होंने स्टार किड्स को अपनी गलतियों से सीखने के भरपूर अवसर मिलते हैं, लेकिन बाहरी लोगों के साथ ऐसा नहीं होता।

राधिका मदान ने कहा- उनको सीखने के लिए 2-3 फिल्में मिल जाती है कि अभी सीख जाएगा, अरे देखो इंप्रूवमेंट है, अरे थर्ड फिल्म में कितना अच्छा लग रहा है। राधिका ने आगे कहा-तुम एक्टिंग नहीं कर सकते, हमने तुम्हे मौका दिया, अब तुम बाहर हो। राधिका ने आगे कहा की आउटसाइडर्स को ज्यादा मौके नहीं मिलते हैं। राधिका ने कहा- मेरी एक गलती होगी तो मेको तो निकाल देंगे, मेरेको नहीं मौका मिलने वाले 2-3 फिल्मों के, एक्टिंग सीखने के लिए।

राधिका ने पटाखा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। उसके बाद वो इरफान खान के साथ अंग्रेजी मीडियम में नजर आई थीं। इसके अलावा राधिका मोनिका ओ माई डार्लिंग, कुत्ते, सास बहू और फ्लेमिंगो और सरफिरा में नजर आ चुकी हैं।

भविष्य की राह : ईवी चार्जिंग के लिए दिशानिर्देश, 2024

समीर पंडिता

भारत का लक्ष्य 2070 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना है, इसलिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परिवहन क्षेत्र को कार्बन-मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, ईवी को व्यापक रूप से अपनाना एक विश्वसनीय और सुलभ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 जारी किए हैं। यह देश भर में चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेज़ी लाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक ढांचा है। एक मज़बूत ईवी चार्जिंग नेटवर्क का निर्माण न केवल सुविधा के लिए बल्कि ऊर्जा, सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा का लाभ उठाने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण है। इस विकास से नए उद्योग सृजन, रोजग़ार पैदा करने और नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी तकनीक और स्मार्ट ग्रिड सिस्टम में नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दिशानिर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं

दिशानिर्देश 2024 शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों एवं दोपहिया वाहनों से लेकर भारी-भरकम ट्रकों तक, विभिन्न प्रकार के वाहनों की ज़रूरतों को पूरा करने वाले चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेज़ गति से विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रदान करते हैं। दिशा-निर्देश 2024 की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं-

सार्वजनिक और निजी चार्जिंग स्टेशन- दिशा-निर्देश 2024 में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अंतराल पर सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों का निर्माण अनिवार्य किए गए हैं, ताकि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। ईवी को प्रोत्साहित करने के लिए इसकी उपलब्धता महत्वपूर्ण है। वे आवासीय परिसरों, कार्यालयों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में निजी चार्जिंग पॉइंट को बढ़ावा देते हैं। यह व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए पहुंच को सरल बनाते हैं और शहरी और उपनगरीय निवासियों के बीच ईवी अपनाने को और बढ़ावा देते हैं। एक इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ता के रूप में, आपको दिल्ली से शिमला की यात्रा करते समय अपनी ईवी बैटरी चार्ज करने की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आपको राजमार्ग पर प्रत्येक 20 किलोमीटर पर एक चार्जिंग प्वाइंट मिल जाएगा। शहर में आने के बाद, आप बिना किसी चिंता के अपने घर या कार्यालय में चार्ज कर सकते हैं।

पारस्परिकता (इंटरऑपरेबिलिटी) - दिशा-निर्देश 2024 की एक प्रमुख विशेषता विभिन्न चार्जिंग नेटवर्क के बीच पारस्परिकता पर जोर देना है। इसका मतलब है कि ईवी उपयोगकर्ता चार्जिंग उपकरण के निर्माता या वाहन के प्रकार की चिंता किए बिना किसी भी चार्जिंग स्टेशन पर अपने वाहन चार्ज कर सकेंगे। यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर व्यापक रूप से सुलभ और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल हो। ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए, पारस्परिकता संभावित रूप से कम शुल्क के साथ कई चार्जिंग नेटवर्क तक पहुंच को सक्षम करके अधिक सुविधा, लचीलापन, कम रेंज की चिंता, लागत बचत प्रदान करती है। इसलिए, अगली बार जब आप यात्रा करेंगे, तो आप हाईवे पर या शहर में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन पर अपने ईवी को चार्ज करने के लिए लंबी कतार में इंतजार करते हुए निराश नहीं होंगे। चार्जर्स की पारस्परिकता के लिए धन्यवाद, आप निकटतम चार्जिंग स्टेशन का अविलंब पता लगाने के लिए किसी भी चार्जिंग सेवा प्रदाता के मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

स्मार्ट चार्जिंग- दिशा-निर्देश 2024 स्मार्ट चार्जर्स के उपयोग को बढ़ावा देते हैं, जो ऊर्जा खपत को अनुकूलित करने के लिए ग्रिड प्रबंधन प्रणालियों के साथ एकीकृत होते हैं। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को व्यस्त समय के अलावा (ऑफ-पीक) चार्जिंग सत्र शेड्यूल करने से बिजली की मांग कम होती है। इससे लागत कम होती है और पावर ग्रिड पर बोझ कम करता है। स्मार्ट चार्जर उपयोगकर्ताओं को ऑफ-पीक घंटों के दौरान चार्जिंग शेड्यूल करके लागत कम करने में सक्षम बनाता है। यात्रा के लिए चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं। एक डिस्कॉम के रूप में, आप अपने ग्रिड को स्थिर करने में मदद करने के लिए स्मार्ट ईवी चार्जर्स को प्राथमिकता देंगे। ईवी को सिस्टम में आसानी से एकीकृत करने की अनुमति देंगे, क्योंकि अप्रबंधित चार्जिंग आपके ग्रिड को ओवरलोड कर आपके परिचालन व्यय को बढ़ा सकती है तथा ग्रिड की विश्वसनीयता एवं स्थिरता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

सुरक्षा और विश्वसनीयता मानक- दिशा-निर्देश 2024 में चार्जिंग स्टेशनों के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को अनिवार्य किया गया है, जिसमें अग्नि सुरक्षा, विद्युत खतरे से सुरक्षा और स्पष्ट संकेत शामिल हैं, जो सार्वजनिक स्टेशनों के लिए उपयोगकर्ता की चिंताओं को कम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, उन्हें अनुपलब्ध चार्जिंग पॉइंट के कारण ड्राइवरों को फंसे रहने से बचाने के लिए राजमार्ग स्टेशनों पर निर्बाध सेवा की आवश्यकता होती है। इसलिए, एक ईवी उपयोगकर्ता के रूप में, सुरक्षित, उच्च-गुणवत्ता वाले और विश्वसनीय चार्जर होने का मतलब है कि आपको बिजली के झटके, आग या किसी खराबी जैसे संभावित खतरों के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इससे आपको मन की शांति मिलती है और आपका वाहन सुरक्षित रूप से चार्ज होता है। साथ ही, विश्वसनीय चार्जर के साथ, आप दोषपूर्ण उपकरणों के कारण आप रास्ते में फंसेंगे नहीं और इससे आपकी यात्रा आसान और तनाव मुक्त रहेगी।

निजी निवेश को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा- सरकार ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए भूमि की उपलब्धता बढ़ाने हेतु अभिनव व्यवसाय मॉडल को प्रोत्साहित करने के लिए कई तरह के वित्तीय प्रोत्साहन दे रही है। इन उपायों का उद्देश्य ईवी चार्जिंग पर लागत कम करना और विशेष रूप से ग्रामीण और कम सेवा वाले क्षेत्रों में इसकी स्थापना को सरल बनाना है। इस संबंध में जारी दिशा-निर्देश सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना में तेज़ी लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। निजी क्षेत्र के संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, स्थानीय सरकारें ईवी चार्जिंग नेटवर्क का अधिक कुशलता से विस्तार कर सकती हैं। चार्जिंग व्यवसाय में निवेश करने को उत्सुक एक चार्ज पॉइंट ऑपरेटर के रूप में आपको पता चलता है कि चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने से जुड़ी सबसे बड़ी लागत भूमि है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती मांग, सस्ती भूमि तक पहुंच और प्रचार आपूर्ति शुल्क की उपलब्धता के साथ, आप अपने शुरुआती निवेश और परिचालन व्यय को काफी कम कर सकते हैं। रणनीतिक स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके, आप ईवी चलाने वालों को बेहतर सेवा दे सकते हैं और अधिक मजबूत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान दे सकते हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशा-निर्देश 2024 भारत के एक स्थायी ऊर्जा भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में चुनौतियों का समाधान करके और ईवी अपनाने को बढ़ावा देने वाले ये दिशा-निर्देश एक स्वच्छ परिवहन प्रणाली का आधार तैयार करते हैं। एक व्यापक ईवी चार्जिंग नेटवर्क जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करेगा, वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करेगा और वायु गुणवत्ता में सुधार करेगा, जो भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप होगा। जैसे-जैसे देश अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है, इन दिशा-निर्देशों के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना इसकी ऊर्जा परिवर्तन रणनीति के लिए महत्वपूर्ण होगा।

(लेखक निदेशक बीईई हैं)

सू- दोकू क्र. 111

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.110 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

क्या आपको बासी चावल खाने चाहिए ? जानिए उन्हें दोबारा गर्म करने और स्टोर करने का तरीका

चावल भारतीय खान-पान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हमें कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। अक्सर लोग रात के बचे हुए चावल को सुबह या दिन में खा लेते हैं।हालांकि, उन्हें खाने से पहले ये जानना बेहद जरूरी होता है कि वे स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित हैं या नहीं। कई लोगों का मानना है कि बासी चावल खाना लाभदायक होता है, तो कई लोग इसे हानिकारक कहते हैं।आइए जानते हैं बासी चावल खाने योग्य हैं या नहीं।

क्या बचे हुए चावल खाना सुरक्षित होता है?

कई लोग बासी चावल को स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं, लेकिन इनका सेवन नुकसानदायक हो सकता है। बचे हुए चावल में बैसिलस सेरेस नामक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो आपको बीमार कर सकते हैं।यह बैक्टीरिया कच्चे चावल में पाए जाते हैं, जो पकाते वक्त भी नहीं मरते। बासी चावल में इनकी संख्या दोगुनी हो जाती है और ये फूड पोइजनिंग का कारण बन सकते हैं।बासी चावल से हुई फूड पोइजनिंग को फ्राइड राइस सिंड्रोम भी कहा जाता है।

चावल को इन तरीकों से किया जा सकता है स्टोर

बैक्टीरिया को बढने और चावल को खराब होने से रोकने के लिए उन्हें सही तरह से स्टोर करना जरूरी होता है।जब आप चावल को पकाएं तो उन्हें जल्दी ठंडा कर लें। ऐसा करने से बैक्टीरिया का पनपना बंद हो जाता है।बचे हुए चावल को हमेशा एयर टाइट बैग या डिब्बे में ही रखें, ताकि उनमें हवा न लग सके। अब इस एयर टाइट डिब्बे को तुरंत फ्रिज में रख दें।

चावल को दोबारा गर्म करने का सही तरीका

बीमारियों से बचने के लिए बासी चावल को सही तरह से गर्म करना जरूरी होता है। ओवन में गर्म करने के लिए चावल पर पानी की बूंदें छिडक़ें और उन्हें टिशु पेपर से ढककर गर्म करें।अगर आप गैस पर चावल को गर्म कर रहे हैं तो एक नॉन-स्टिक पैन का इस्तेमाल करें। इस पैन में थोड़ा-सा पानी डालें और चावल डालकर ढक दें।ऐसा करने से स्टीम बनेगी और चावल गर्म हो जाएंगे।

इस तरह से पहचानें चावल खराब हुए या नहीं

बासी चावल खाने से पहले ये जांच लें कि वे खराब तो नहीं हो गए हैं।अगर आपके चावल का रंग पीला पड़ गया है, उनसे बदबू आ रही है या उनकी बनावट बिगड़ गई है तो उन्हें भूलकर भी न खाएं।खराब होने पर चावल कुरकुरे, कड़े या अत्यधिक चिपचिपे भी हो सकते हैं। इसके अलावा, खराब चावल पर हरी, काली या पीले रंग की फफूंद भी लग सकती है। (आरएनएस)

यूटिलिटी चालक चरस सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। चरस तस्करी में लिप्त एक यूटिलिटी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 114.6 ग्राम चरस बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना घनसाली पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थ सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को पिलखी रोड के पास गढ़मांणा पुल पर एक संदिग्ध यूटिलीटी चालक आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोकना चाहा तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 114.6 ग्राम चरस बरामद हुई पूछताछ में उसने अपना नाम धर्म सिंह पुत्र धन सिंह निवासी ग्राम कोस कांडी, पट्टी कोटी फैगुल टिहरी गढवाल बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

स्कूटी की डिग्गी तोड हजारों रुपये से भरा पर्स चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने स्कूटी की डिग्गी तोडकर वहां से हजारों रूपये से भरा पर्स चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्यामपुर निवासी लक्ष्मी रांगड ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह राजस्थानी होटल गयी थी। उसने अपनी स्कूटी होटल के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी की डिग्गी टूटी हुई थी तथा उसमें से उसका पर्स गायब था। पर्स में 11 हजार रूपये नगद व मोबाइल रखा हुआ था।

जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को बतायी समस्याएं

संवाददाता

देहरादून। एनसीपी यूथ के राष्ट्रीय सचिव ने जन संस्थान के अधिशासी अभियंता को जनता की समस्याओं से अवगत कराया। आज यहां स्थानीय नेता व एनसीपी यूथ के राष्ट्रीय सचिव ने रिंग रोड स्थित जल संस्थान के अधिशासी अभियंता से फोन पर वार्ता कर जनसमस्या को उजागर कर निस्तारण हेतु कार्यवाही के लिए मांग की। उन्होंने पानी बिल बढ़ाकर भेजने का आरोप लगाते हुए रोष जताया व कहा कि जहां पहले तीन महीने का बिल 1400 आता था वहीं अब नए मीटर लगाने के बाद बिल आठ से पंद्रह हजार दो महीने का आ रहा है जिससे वार्ड 95 व 67 क्षेत्र वासियों में भारी रोष हैं। आहूजा ने कहा कि ये जल संस्थान की घोर लापरवाही है जिससे आमजन परेशान है। अगर जल्द से जल्द पीड़ित उपभोक्ताओं के बिल सही न करे गए व आगे ये लापरवाही न होने का लिखित आश्वाशन न दिया गया तो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) के पदाधिकारियों द्वारा जल संस्थान में तालाबंदी कर धरना देने हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

चरस के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान कण्डोली तिराहे के पास एक मोटरसाईकिल सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 110 ग्राम चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अभय कुमार पुत्र अरूण कुमार निवासी पौंधा बिधौली बताया।

करोड़ों की ठगी मामले के दो सगे भाई..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

अलग-अलग क्षेत्र में सक्रिय थे। उक्त गैंग के विरूद्ध पिथौरागढ के अलग-अलग थानो में कई मुकदमें दर्ज है। बताया कि एसटीएफ टीम विगत 2 वर्ष से इनको पकडने के लिए मैनुवल सूचना एकत्र कर रही थी एंव इनको पकडने के लिए कई राज्यों में लगातार दबिश दे रही थी। उक्त एकत्र की गयी मैनुवल सूचना के आधार पर टीम द्वारा दोनो भाईयों को गिरफ्तार करने में सफलता पायी गयी है।

मिसिंग लिंक फंडिंग अपूर्ण योजनाओं को पूरा करने का स्वर्णिम अवसरः रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि मिसिंग लिंक फडिंग अपूर्ण योजनाओं को पूरा करने का स्वर्णिम अवसर है।

आज यहां अनुमोदित प्रस्तावों पर शासनादेश जारी करने में विलम्ब पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सम्बन्धित अधिकारियों को इस सम्बन्ध में तत्परता से कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। सीएस श्रीमती रतूड़ी ने मिसिंग लिंक फण्ड के तहत जिन विभागों में प्रस्ताव डीपीआर, टीएसी या डीएफसी स्तर पर लम्बित हैं, उनकी प्रक्रिया को त्वरित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सचिवालय में मिसिंग लिंक से पोषित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के प्रस्तावों को मिसिंग लिंक द्वारा फंडिंग किए जाने पर सहमति बनी। मुख्य सचिव ने सचिव वित्त को सभी विभागों से तत्काल प्रस्ताव लेने के निर्देश दिए, ताकि बजट जारी कर अधूरी योजनाओं को पूरा किया जा सके। मिसिंग लिंक फडिंग पर चर्चा करते हुए मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि मिसिंग लिंक फडिंग अपूर्ण योजनाओं को पूरा करने का स्वर्णिम अवसर है। इस सम्बन्ध में सभी विभाग अपने स्तर पर ऐसी आधी-अधूरी योजनाओं का गंभीरता से आंकलन करे, फील्ड ऑफिसर्स से भी जानकारी ली जाए। सभी विभागों को योजनाओं की ऑनरशिप लेते हुए कार्य करने की हिदायत देते हुए मुख्य सचिव ने योजनाओं की स्वीकृति व क्रियान्वयन में प्रक्रियाओं की स्पष्टता व सरलीकरण के निर्देश भी दिए है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पूर्व में स्वीकृत प्रस्तावों की प्रगति भी पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर नियमित अपलोड की जाए। पीएम गतिशक्ति में इन प्रोजेक्ट्स की निरन्तर मॉनिटरिंग की जाती है। अधिकारियों विशेषरूप से सचिवों की अनुपस्थिति में पत्रावली सम्बन्धित शासकीय कार्यों में विलम्ब न हो इस पर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी इस सम्बन्ध में समाधान हेतु किसी भी समय तत्काल मुख्य सचिव से सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को शासकीय कार्यों में तत्परता से कार्य करने की संस्कृति विकसित करने की नसीहत दी। मिसिंग लिंक के तहत ऐसे प्रस्तावों को स्वीकृति दी जाती है जिन्हें जनपदों में किसी भी योजना के तहत फंडिंग नही हो पाती, ऐसे प्रोजेक्ट्स को मुख्य सचिव कोष से फंडिंग की जाती है। बैठक में सचिव शैलेश बगौली, दिलीप जावलकर, डा बी वी आर सी पुरूषोत्तम सहित वित्त, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, उद्यान विभाग, ऊर्जा के अपर सचिव तथा वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी चंपावत मौजूद रहे।

अवैध शराब की भट्टी तोड़ी

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। आईटीआई क्षेत्रांर्तगत एक गांव में चल रही शराब की भट्टी का पुलिस ने तोड़ दिया है। जहां पुलिस ने शराब बनाने के लिए उपलब्ध 5 हजार लीटर लहन भी नष्ट किया है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना आईटीआई पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम छोटी बरखेड़ी में कुछ लोगों द्वारा अवैध शराब की भट्टी चलायी जा रही है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर पहुंच कर वहां पर मौजूद अवैध शराब की भट्टी तोड़ दी गयी है साथ ही पुलिस ने मौके पर उपलब्ध लगभग 5,000लीटर लहन भी नष्ट किया गया है।

300 किलो मिलावटी मावा सहित एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने तीन सौ किलो मिलावटी मावे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में मिलावटी खाद्य पदार्थों की सघन चैकिंग की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली नगर पुलिस द्वारा रात्री चैकिंग के दौरान सिंघल मंडी तिराहे लक्खीबाग में वाहन सिल्वर रंग की इंडिगो को रोककर उसकी तलाशी ली गई तो वाहन की डिग्गी से लगभग 300 किलो ग्राम मिलावटी (सिंथेटिक) मावा बरामद हुआ। मौके पर फूड सेफ्टी ऑफिसर को बुलाकर मावे का निरीक्षण एवं परिक्षण कराया गया तो फूड सेफ्टी ऑफिसर के द्वारा भी बरामद मावे को प्रथम दृष्टया सिंथेटिक बताया गया। जिसके नमूना लेकर शेष सिंथेटिक मावे को नष्ट किया गया। मौके पर पकड़े गए आरोपी अमित पुत्र धर्मवीर निवासी टनडेडा थाना काकरोली जिला मुजफ्फरनगर ने पूछताछ में बरामद मावे को रामपुरी मुजफ्फरनगर से लाकर अधिक दामों में दीपावली के शुभ अवसर पर देहरादून शहर की विभिन्न प्रतिष्ठित दुकानों एवं डेरियों पर सप्लाई करना बताया गया। पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज लिया है।

छात्र संघ बहाली को लेकर छात्रों ने निकाली शिक्षा मंत्री की शव यात्रा

संवाददाता

देहरादून। छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर संयुक्त छात्र संघर्ष समिति ने उच्च शिक्षा मंत्री की शव यात्रा निकाली।

आज संयुक्त छात्र संघर्ष समिति द्वारा गतिमान छात्र संघ चुनाव बहाल करो आंदोलन के पंचम दिवस आंदोलनरत चारों महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा उच्च शिक्षा मंत्री की प्रतीकात्मक शव यात्रा डीएवी महाविद्यालय से सर्वे चौक तक निकालकर 2 घंटे तक प्रदर्शन किया। छात्रों ने जल्द चुनाव ना होने की स्थिति में सरकार को उग्र आंदोलन के लिए चेताया है। साथ ही छात्र संघर्ष समिति ने 30 अक्टूबर को छात्र छात्राओं से छात्रसंघ चुनाव के समर्थन में घंटाघर कूच के लिए आह्वान किया है। इस अवसर पर अध्यक्ष सिद्धार्थ, महासचिव सुमित कुमार, मगन नेगी अध्यक्ष डीबीएस, अनुज शाह, रितिक नौटियाल, ऋषभ मल्होत्रा, करन नेगी, नवदीप राणा, स्वयं रावत, मयंक रावत, सौरभ सेमवाल, पुलकित आर्य, हरीश, गोविंद रावत, राहुल जुयाल, मुकेश बसेरा, हर्ष राणा, कनिष्क, प्रियांशु कोटनाला आदि उपस्थित थे।

एक नजर

'पिछले 10 सालों में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 30 गुना बढ़ा'

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेनिश पीएम पेड्रो सांचेज ने टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 10 सालों में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 30 गुना बढ़ गया है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत के डिफेंस सेक्टर का कायाकल्प सही प्लान का नतीजा है। देश ने ऐसे कई फैसले लिये, जिसमें देश में वाइब्रेंट इंडस्ट्रीज का निर्माण हुआ, जिसमें ऑर्डिनेंस फैक्ट्री को 7 बड़ी कंपनियों में बदला गया। प्रधानमंत्री ने कहा,

10 साल में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 30 गुना बढ़ गया है। हम दुनिया के 100 से ज्यादा देशों को डिफेंस एक्यूपेमेंट एक्सपोर्ट कर रहे हैं। भारत में स्किल्स और जॉब क्रिएशन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से भी हजारों जॉब पैदा होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हाल ही में हमने देश के महान सपूत रतन टाटाजी को खो दिया। अगर आज वो हमारे बीच होते तो उन्हें खुशी होती, लेकिन उनकी आत्मा जहां भी होगी, वो खुश होगी। ये सी-295 विमान फैक्ट्री नए भारत की नई कार्य संस्कृति को दर्शाती है। जब मैं गुजरात का सीएम था, तब वडोदरा में ट्रेन के कोच बनाने के लिए फैक्ट्री लगाने का फैसला लिया गया था। रिकॉर्ड समय में फैक्ट्री को उत्पादन के लिए तैयार भी कर दिया गया। आज हम उस फैक्ट्री में बने मेट्रो कोच दूसरे देशों को निर्यात कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में इस फैक्ट्री में बने विमान भी दूसरे देशों को निर्यात किए जाएंगे।

आतंकवादियों ने सेना की एंबुलेंस पर बरसाई गोलियां

जम्मू। अखनूर में सेना की एक एंबुलेंस पर आर्तकियों ने फायरिंग की। जोगवान एरिया में ये हमला हुआ। गाड़ी पर गोलियों के कई निशान दिखे। हमले के बाद इलाके में बडे पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया है। 32 फील्ड रेजिमेंट ने पूरे इलाके को घेर लिया है। इस गोलीबारी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना आज सुबह करीब 07 बजे हुई जब 03 ने सेना के वाहनों पर आर्तकियों ने कुछ राउंड फायरिंग की। सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि इलाके

में तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पाकिस्तान की सीमा के पास अखनूर सेक्टर में सोमवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि खौर के भट्टल इलाके में असन मंदिर के पास ग्रामीणों ने भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना दी थी। अधिकारियों ने बताया कि जब सेना की एक एंबुलेंस गांव से गुजर रही थी, तभी गांव में कुछ गोलियों की आवाज सुनी गई जो सेना के वाहन पर चलाई गई थी। सेना के जवानों ने पुलिस के साथ मिलकर गांव और आसपास के इलाकों की घेराबंदी कर दी है और सीमा पार से घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें बेअसर करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

सांसद पप्पू यादव को मिली जान से मारने की धमकी !

नई दिल्ली। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की ध मकी मिली है। दावा किया जा रहा है कि पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर जान से मारने की धमकी मिली है। इसी के साथ सलमान खान मामले से दूर रहने की भी हिदायत दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धमकी भरे कॉल में दावा गया है कि वो लगातार पप्पू यादव के कई ठिकानों की रेकी कर रहा है और उसे जान से मार देगा। धमकी देने के मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग सहित दो-दो गैंगस्टर का नाम सामने आए हैं। जिसकी शिकायत पप्पू यादव ने डीजीपी के साथ पूर्णिया रेंज के आईजी को भी की है। इस मामले में सांसद पप्पू

यादव ने कहा कि लॉरेंस का नाम लेकर मुझे धमकी दी गई है। जिसे लेकर बिहार के डीजीपी और आईजी से शिकायत की गई। पप्पू यादव ने कहा कि लगातार मिल रही धमकी से मैं आहत हूं। मेरे साथ किसी भी तरह की अनहोनी घटना हो सकती है। सरकार को मेरी सुरक्षा को लेकर गंभीर होने की दरकार है। गृह मंत्री अमित शाह से भी अपनी बात मैंने साझा किया है। मालूम हो कि एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद पप्पू यादव ने खुलेआम लॉरेंस बिश्नोई को सबक सिखाने की बात कही थी। इतना ही नहीं पप्पू यादव ने कहा था कि अगर कानून परमिशन दे तो 24 घंटे में लारेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा।

नैतिकता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना जरूरी: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सत्यनिष्ठा की संस्कृति विकसित करने के लिए सभी को सत्य, ईमानदारी, नैतिकता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना जरूरी है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार बाईपास रोड स्थित कारगी ग्राण्ट में सतर्कता अधिष्ठान निदेशालय द्वारा 'सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि' पर आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि सतर्कता विभाग की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सर्विलांस, तकनीकी एवं वित्तीय विशेषज्ञों की एक टीम गठित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सतर्कता अधि ष्ठान में सराहनीय कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने देश की एकता और अखण्डता के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का स्मरण करते हुए कहा कि उनकी जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष लोक प्रशासन को पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिस उद्देश्य यह सप्ताह मनाया जा रहा है, उसकी पूर्ति के लिए सभी पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे। सतर्कता जन-जागरूकता सप्ताह एवं प्रशिक्षण शिविर जनता को उनके अधिकारों के बारे में जागरुक करने और लोक-प्रशासन को पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने में सहायक सिद्ध होगा। सत्यनिष्ठा की संस्कृति विकसित करने के लिए सभी को सत्य, ईमानदारी, नैतिकता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सतर्कता अधिष्ठान में ऐसे अधिकारियों को भी शामिल किया जाए जिन्हें इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हो। निदेशक सतर्कता वी. मुरूगेशन ने जानकारी दी कि 2022 में टोल-फ्री नम्बर 1064 भी जारी होने के बाद इस पर 7800 शिकायतें दर्ज की गई। सतर्कता विभाग ने पिछले 3 वर्षों में 66 ट्रैप किये हैं। 75 लोगों पर कार्रवाई की गई है। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव गृह शैलेश बगोली, अपर पुलिस महानिदेशक अमित सिन्हा, ए.पी अंशुमन, पुलिस अधीक्षक सतर्कता श्रीमती रेनू लोहनी एवं सतर्कता विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मरे हुए व्यक्ति की जमीन बेचने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मरे हुए व्यक्ति की जमीन बेचने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवालिक अपार्टमेंट कैनाल रोड निवासी सत्यवीर सिंह ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पूर्व परिचित विनय सक्सेना उनकी पत्नी श्रीमती दिव्या आए और बताया कि उनके पुत्र की शादी है जिसके लिए कुछ पैसों की जरूरत है और जरुरत के लिए वह अपनी जमीन तत्काल कम दाम पर बेचना चाहते हैं। भरोसा दिलाया कि जल्द ही जमीन दोगुने दाम पर शादी के बाद बिकया भी देंगे।

इस प्रकार घर में शादी एवं कम दाम में मिल रही जमीन के झांसे में आकर उसने हां भर दी। जिस पर अगले ही दिन विनय सक्सेना पत्नी दिव्या सक्सेना, बेटे मयूर एवं रिमी अरोड़ा के साथ आए और उसे लेकर धौरण खास एवं बगराल गांव की जमीन दिखाई और बताया कि कुछ जमीन अभी भी उनके पास है और कुछ गांव की जमीन उन्होंने आगे बेच रखी है परंतु दो प्लॉट मालिक उनके कहने में है और समय पर रजिस्ट्री करने आ जाएंगे। जिसके बाद उसने उनको दस लाख रूपये दे दिये।

बाद में उसको पता चला कि उक्त जमीन ज्वाला प्रसाद नामक व्यक्ति की है जिसकी पूर्व में ही मौत हो चुकी है। तथा विनय सक्सैना द्वारा फर्जी कागजात बनाकर उक्त जमीन को कई लोगों को बेचकर उनसे ठगी कर चुका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर एनएसयूआई ने किया सचिवालय कूच, गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। छात्र संघ चुनाव बहाली को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सचिवालय कूच किया। जिनको सुभाष रोड पर रोक कर गिरफ्तार कर लिया गया।

आज यहां एनएसयूआई कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष हिमांशु रावत के नेतृत्व में कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने सचिवालय कूच किया। वह जैसे ही सुभाष रोड पर पहुंचे तो पुलिस ने बैरकेडिग लगाकर उनको रोक दिया। जिसके बाद वहां पर छात्रों व पुलिस में तीखी नोंक झोंक हुई जिसके बाद पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर लिया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना था कि छात्र राजनीति में सरकार का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर के महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराना भाजपा सरकार की सोची समझी साजिश है। शिक्षा मंत्री की ओर से जिस प्रकार छात्र राजनीति में हस्तक्षेप किया जा रहा है उससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अपने छात्र संगठन एबीवीपी के हार का डर दिखायी दे रहा है। जिसके लिए उन्होंने सत्ता का दुरूपयोग करते हुए छात्र संघ चुनाव न कराने का शासनादेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा आईटी सेल के जिला समन्वयक ने कोर्ट में पीआइएल डलवाकर छात्र संघ चुनावों पर रोक लगाए जाने का षडयंत्र रचा है। प्रदर्शन करने वालों में रूडकी जिलाध्यक्ष हिमांशु जाटव, हरिद्वार जिलाध्यक्ष आशीष चौहान अपने दर्जनों समर्थकों के साथ शामिल हुए थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।